Edit with WPS Office

नर हो न निराश करो मन को

प्रश्न - उत्तर

मौखिक :

1◆ प्रश्न किसे ना निराश होने की प्रेरणा दी गई है?

उत्तर: कविता में कवि ने समस्त मनुष्यों को निराश ना होने की प्रेरणा दी है।

Edit with WPS Office

2◆ प्रश्न : कवि के अनुसार जन्म को किस प्रकार सफल बनाया जा सकता है?

उत्तर : कवि के अनुसार अपने जीवन के सही अर्थों को पहचान कर के ही जीवन को या जन्म को सफल बनाया जा सकता है ।

Edit with WPS Office

3 ◆ प्रश्न: समय का सदुपयोग किस प्रकार करना चाहिए?

उत्तर :जीवन में आए सही अवसरों को पहचान कर हमें समय का सदुपयोग करना चाहिए।

4◆ प्रश्न इस कविता का मूल भाव क्या है ?

उत्तर इस कविता का मूल भाव है असफलताओं से निराश ना होकर हमें अपना कर्म करते रहना चाहिए।अपने कर्म द्वारा ही जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है।

Edit with WPS Office

लिखित प्रश्न :

लघु उत्तरीय प्रश्न :

1◆ प्रश्न : हमें किस का सहारा लेना चाहिए?

उत्तर : हमें जीवन के पथ में किसी का भी सहारा नहीं लेना चाहिए बल्कि अपना सहारा खुद ही बनना चाहिए ।अपना रास्ता खुद ही बनाना चाहिए । अगर हम ऐसा करते हैं तो भगवान स्वयं ही हमारा सहारा बनेंगे।

Edit with WPS Office

2◆ प्रश्न हमें किस का नित ध्यान रखना चाहिए और क्यों?

उत्तर: हमें नित्य अपनी गौरव का तथा अपने होने की सार्थकता का ध्यान रखना चाहिए रखना क्योंकि यह हमें निराशा से दूर कर जीवन में कर्म करने की प्रेरणा देता है।ये कर्म ही मनुष्य को सफल बनाते है और जीवन को सार्थक बनाते है।

Edit with WPS Office

3◆ प्रश्न इस कविता के शीर्षक की सार्थकता सिद्ध कीजिए?

उत्तर : प्रस्तुत 'नर हो न निराश करो मन को' शीर्षक कविता सम्पूर्ण मनुष्य को निराश न होने का आह्वान करता है। निराश मनुष्य अपने कर्तव्य पथ से विचलित हो जाता है।इसलिए कवि ने निराश न होकर ,सकारात्मकता की बात की है।जो मनुष्य को कर्म करने की प्रेरणा देता है।कर्म के द्वारा ही मनुष्य अपने जीवन के अर्थ को पहचान कर अपना जीवन सार्थक बनाता है।

Edit with WPS Office

दीर्घ- उत्तरीय प्रश्न

1◆ प्रश्न : प्रभु ने हमें सब चीजें दी हैं फिर भी हम इसका उपयोग ना करें तो यह किसका दोष है ?

उत्तर: प्रभु ने हमें सब चीज दी है फिर भी हम इसका उपयोग ना करें तो यह हमारा ही दोष है क्योंकि हम कर्म को नहीं मान रहे हैं। और कर्म के बिना हमारे जीवन का कोई महत्व नहीं रह जाता हैं। हमारा जीवन निरर्थक हो जाता है।

Edit with WPS Office

2◆ इस कविता में कवि का क्या संदेश है

उत्तर :इस कविता के माध्यम से कवि ने कर्म करने की प्रेरणा दी है। वह मनुष्य को निराशा से उभार कर पुनः कर्म करके अपना गौरव और नाम स्थापित करने की करने का संदेश देते हैं। कर्म के द्वारा ही मनुष्य अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। कर्म द्वारा मनुष्य हर असम्भव चीज़ को भी प्राप्त कर सकता है। जीवन में प्राप्त सुअवसरों को पहचान कर ही जीवन

Edit with WPS Office

सार्थक हो सकता है।कवि ने कविता के माध्यम से यही संदेश देने की कोशिश की है।

3◆ प्रश्न प्रभु ने हमें क्या दान किया है और हमें इसका उपयोग किस प्रकार करना चाहिए?

उत्तर :प्रभु ने हमें कर अर्थात हाथ दान किए हैं ताकि हम अपने इच्छित कार्यों

Edit with WPS Office

को पूरा कर सकें ।

मनुष्य द्वारा कुछ भी दुर्लभ नहीं है। वह कर्म करें तो वह अपने हाथों हर असंभव चीज़ या कर्म को पूरा कर सकता है।